

➤ बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1) युद्ध के शुरू होने से पहले अर्जुन ने अपने सारथी श्री कृष्ण से क्या निवेदन किया?
(क) मेरे रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले चलो
- 2) श्री कृष्ण ने अर्जुन से क्या कहा?
(घ) धर्मयुद्ध में मोह करना अच्छा नहीं है
- 3) अर्जुन किससे युद्ध नहीं करना चाहता था?
(घ) सभी -- अपने संबंधियों से, दुर्योधन से, अपने भाइयों से
- 4) श्री कृष्ण के अनुसार वीरों का धर्म है
(ख) अधर्म पर चलने वालों का नाश करना
- 5) सच्चा सन्यासी कौन है?
(ग) क और ख दोनों -- जो कर्तव्य का पालन करता है,
बिना फल की इच्छा किए धर्म करता है

➤ लिखित प्रश्न:-

- 1) अर्जुन ने रात को कहां ले चलने को कहा?
उत्तर -- अर्जुन ने रात को दोनों सेनाओं के बीच ले जाने को कहा।
- 2) शत्रु पक्ष में अर्जुन को कौन-कौन योद्धा खड़े हुए दिखाई दिए?
उत्तर -- शत्रु पक्ष में अर्जुन को पितामह भीष्म, गुरु द्रोणाचार्य और मामा शल्य खड़े दिखाई दिए।
- 3) जब अर्जुन ने युद्ध करने से मना किया तब श्री कृष्ण ने उन्हें कौन सी बात समझाई?
उत्तर -- श्री कृष्ण ने अर्जुन को समझाया कि यह युद्ध तुम अपनी इच्छा से नहीं कर रहे हो बल्कि दुर्योधन ने और उसके साथियों ने तुम्हें इसके लिए विवश किया है।
इसलिए धर्म - युद्ध में किसी प्रकार का मोह नहीं होना चाहिए।
- 4) श्री कृष्ण ने वीरों का धर्म क्या बताया?
उत्तर -- श्री कृष्ण ने बताया कि जो अधर्म पर चलते हैं उनका नाश करना ही वीरों का धर्म है।

5) आत्मा के बारे में श्री कृष्ण ने अर्जुन को क्या बताया?

उत्तर -- श्री कृष्ण ने आत्मा के बारे में अर्जुन को बताया कि आत्मा अमर है। आत्मा एक शरीर त्याग कर दूसरा शरीर धारण कर लेती है।

6) श्री कृष्ण ने सत्य सन्यासी की क्या पहचान बताई?

उत्तर -- सच्चा सन्यासी वह होता है जो अपने कर्तव्य का पालन करता है और फल की इच्छा नहीं करता।

➤ **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:-**

- 1) इस स्थान से तुम सभी वीरों को देख सकते हो।
- 2) धर्म युद्ध में किसी प्रकार का मोह करना अच्छा नहीं होता।
- 3) जो अधर्म पर चलते हैं उनका नाश करना ही वीरों का धर्म है।
- 4) मनुष्य की आत्मा अमर है।
- 5) आपके उपदेश से मेरा मोह भंग हो गया।

➤ **चरित्र - चित्रण:-**

इस एकांकी में श्री कृष्ण और अर्जुन के चरित्र की विशेषताएं उभरकर सामने आई हैं दोनों के बारे में तीन तीन वाक्य लिखो:-

श्री कृष्णा -- श्री कृष्ण महाभारत के युद्ध में अर्जुन के सारथी थे । उन्होंने कुरुक्षेत्र के युद्ध क्षेत्र में अर्जुन को उपदेश देकर उनका मोह भंग किया । श्री कृष्ण विचारशील थे । वे व्यवहारिकता पर बल देते थे।

अर्जुन -- अर्जुन पांडू पुत्र थे । वह पांडवों की ओर से युद्ध लड़ रहे थे ,पर युद्ध क्षेत्र में अपने गुरुजनों और परिचितों को देखकर मोहग्रस्त हो गए ।वे तर्कशील हैं। पर श्रीकृष्ण के समझाने पर वे युद्ध करने को तत्पर हो जाते हैं।

➤ **वाक्यों में प्रयोग करो:-**

- 1) युद्ध -- युद्ध में आप की विजय निश्चित है।
- 2) विजय -- युद्ध में विजय पराजय की चिंता नहीं करनी चाहिए।
- 3) अधर्म --हमें अधर्म के रास्ते पर नहीं चलना चाहिए।
- 4) कर्तव्य -- बड़ों की आज्ञा का पालन करना हमारा कर्तव्य है।
- 5) अपमान --हमें किसी का अपमान नहीं करना चाहिए।
- 6) शांति -- हमें मिलजुल कर शांति से रहना चाहिए।

(क) विलोम शब्द लिखो:-

वीर	×	कायर
विजय	×	पराजय
धर्म	×	अधर्म
शांति	×	अशांति

(ख) उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलो:-

- 1) मैं शस्त्र नहीं उठाऊँगा।
-- मुझसे शस्त्र नहीं उठाया जाएगा।
- 2) मैं उसकी निंदा नहीं करूँगा।
-- मुझसे उसकी निंदा नहीं की जाएगी।

(ग) निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करो और इन शब्दों में आए संयुक्ताक्षरों को लिखो।

धृष्टकेतु ,द्रोणाचार्य ,दुर्योधन ,सर्वत्र , दुर्बलता , जनार्दन, कृष्ण।
संयुक्ताक्षर -- धृ ,ष्ट , द्रो , र्य, र्यो, र्व , त्र, र्ब ,र्द, कृ, ण

(घ) यह पाठ नाटक शैली में लिखा गया है । इस पाठ में कृष्ण और अर्जुन के लिए प्रयुक्त संबोधन शब्दों को लिखो।

कृष्ण के लिए संबोधन शब्द -- बंधु, हे कृष्ण ,भगवान् बंधुवर ,जनार्दन, हे प्रभो।
अर्जुन के लिए संबोधन शब्द -- हे पार्थ, प्रिय अर्जुन ,वीर अर्जुन , अर्जुन ।

(ङ) पढ़ो और समझो :-

धर्म	-	पालन	=	धर्म का पालन
हार	-	जीत	=	हार और जीत
मोह	-	भंग	=	मोह का भंग
बंधु	-	बांधव	=	बंधु और बांधव
शांति	-	संदेश	=	शांति का संदेश
युद्ध	-	भूमि	=	युद्ध की भूमि